

अनुसंदानोपादि - सीमीत

उन्नास ३१ फ़रवरी, ०७.०३.२०२० को प्रवेश ११:०० बजे आधुनिक भाषा रुचि ग्रामानिकानीवाग निवागीय अनुसंदानोपादि सीमीत की बैठक माननीय कुलपीत महेश्य की अद्यतना में कुलपीत काशीलाल में सम्पन्न हुई जिसमें उन्नोलिक विहानगान उपरिधत हुए:-

१. माननीय कुलपीत महेश्य - अद्यता ३१.०३.२०२०

२. क्षंकायाद्यक्ष - सदस्य - ग्रन्ति ३१.०३.२०२०
आधुनिक भाषा रुचि ग्रामानिकानीवाग

३. निवागाध्यक्ष - सचिवालय ३१.०३.२०२०
आधुनिक भाषा रुचि ग्रामानिकानीवाग

४. प्र० डॉ. आर. वी. मिश्र - सदस्य ३१.०३.२०२०
भाषा विज्ञान निकाय
का० १८०००१००००, वराणसी

५. प्र० अहुन्दु ३१.०३.२०२० - सदस्य
हिन्दू विद्यालय, मांडण्ठा० का०१८००१००००, वराणसी

समिति. विवर

समिति के उपसंचार अन्तर्गत शोधविषयों के सम्बन्ध

शोधविषय के बाबत एवं समिति के नियन्त्रण विभाग गवेषणाएँ
की उनके लकड़ी के घास लिखा। नियंत्रण के लिए छोटा
परिवर्तन होने की कृति उदाहरण की -

१. श्री अनुल कुमार : नियंत्रक : प्र० देवी उषा, डिप्टी

छोटा-विषय : श्रीमान् मधुरेण दुपड़ी के लाव और छोटा-

२. श्री अनुल कुमार कुमार : नियंत्रक : प्र० देवी उषा डिप्टी

शोधविषय : ग्रन्थालय लोकगीतों का समाजानीक

दृष्टिकोण

3. श्री गोपकृष्ण त्रिलोक : निदेशक : डॉ. विदा तुमारी-वट्टा

क्रीया-विषय : श्रुतिसंग्रहन फॉर्म के बारे में और श्रीलीलावतीकामनाका ज्ञानापान

4. श्री गोपकृष्ण त्रिलोक : निदेशक : प्रो. देवी उदाध विठ्ठली

क्रीया-विषय : भगवती प्रधान विषय के बारे में श्रीलीलावतीका ज्ञानापान

5. श्री वागानं त्रिलोक : निदेशक : प्रो. देवी उदाध विठ्ठली

क्रीया-विषय : प्रवासी दूसरी वर्गान्वयनों का मनोजागिक विश्लेषण

6. श्री जिल्हा सुखांग : निदेशक : प्रो. देवी उदाध विठ्ठली

क्रीया-विषय : अंग्रेजीशास्त्र शुल्क के बारे में श्रीलीलावतीका ज्ञानापान

7. सुश्री दिव्या त्रिलोक : निदेशक : प्रो. देवी उदाध विठ्ठली

क्रीया-विषय : उत्तराखण्ड की आवादीकामनाका ज्ञानापान

8. श्री दंपत्ति त्रिलोक : निदेशक : डॉ. वृषभचन्द्र तुम्हे

क्रीया-विषय : सह-निदेशक : प्रो. विनोदगढ़ तिवारी (BHU) नक्सी रूपों को जपुरी विकास लोकानीलों का आकर्षकानीवास हाथीचौपा से छलांगका ज्ञानापान

9. सुश्री दिव्या आदत : निदेशक : डॉ. विदा तुमारी-वट्टा

क्रीया-विषय : मन्दू अपडारीके उपर्याएं और श्रीलीलावतीका ज्ञानापान

10. सुश्री दिव्या कान : निदेशक : डॉ. वृषभचन्द्र तुम्हे

क्रीया-विषय : डॉ. देवी उदाध विठ्ठली

आठविंशती "विनाशज्जनिति" का आकर्षकानीका ज्ञानापान

11. सुश्री दिव्या लालू : निदेशक : प्रो. देवी उदाध विठ्ठली

क्रीया-विषय : नगार्जुन के बारे का श्रीलीलावतीका ज्ञानापान

12. सुश्री झोलनी शीकाहव : निदेशक : डॉ. विदा तुमारी-वट्टा

क्रीया-विषय : कानूनी संस्कृत विकासी भिजर्ज (नाटक) और

श्रीलीलावतीका ज्ञानापान

13. सुशीला सुमन यादव : लेखक : प्रो. शंखराजन्दु दुबे
विषय-सूचा : महाराष्ट्रीय वर्ग की अवधि-आवास

सत्त्वदग्नलाई 'वाचपात्र' उपाधि हेतु प्राप्त बोर्डफॉर्म
में प्रकाशित हुआ 'विभागीय आकृति' : व्यक्तिगत ऐसे आकृतियाँ
कहे जाते हैं कि वे व्यक्ति के जीवनलाई उपलक्ष्य रखन्याची
श्री डॉ. शुभेश शुभेश शुभेश के सम्बन्ध वाचपात्र के
आगले कार्यसूचना के निर्णय लिया जिसे अवृत्तिगत
की जानकारी प्रति-कुलपात्र द्वारा देखा जाए, तो वहके
पंजीकरण पर विचार किया जाए जाती जाती रहती रहती है,
गवाही वाले उनके गुण और गुणों को देखते हुए उनकी
विचार-विवर के जोना वहके पंजीकरण हेतु संलग्न
तो बनती है; यह है यह जो निर्णय बनती है कि उनकी
की जागली व्यवहार के जानकारी कुलपात्र द्वारा जिए-
दिए हैं यदि समाप्त होती है, तो उनका गुण-प्राप्त
का पंजीकरण वह के जानकारी का बनती सम्पत्ति बनती
जाती है।

इसके पश्चात् विभागीय NTF अनुसन्धानी सुशीला
मालवी देवी के पाठ्य अध्येतर द्वारा विभागीय विभाग
समाप्ती कार्यसूचना के निम्न के अंतर्गत विवरण (विवरण
अन्तर्गत के सारिए हैं उमुक्त व्यक्तियों का निर्णय) के द्वारा
द्वारा 'वृद्धालोलास' के उपन्यासों में 'उमुक्त व्यक्ति की अन्तर्गत'
(द्वारा 'विभागीय विभाग') हेतु स्वीकृत प्रदान की जाए जितना
दि. 18.08.2012 की व्यवहार के लिये जो निर्णय की
समीक्षा मालवी देवी उक्त विभाग निर्देशक
(डॉ. विद्या शुभेश यादव) हेतु जो व्यक्ति की प्रदान की।

Date

उक्त विद्युतीय के लिए उद्देश्य वाली क्रमवाली क्रमागति
से संकेत की जरूरत की अपेक्षा वाली रही।

संग्रह 7/3/2020

प्राप्ति 7/3/2020

7/3/2020

दृष्टि 7/3/2020

प्राप्ति 7/3/2020